

सीता नवमी व्रत कथा PDF

पौराणिक संस्थाओं के अनुसार माता सीता जी इसी दिन प्रकट हुई थीं और इसीलिए हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले हिंदू इस दिन व्रत बड़ी श्रद्धा से रखते हैं ताकि उनके सभी पाप नष्ट हो जाएं और वे अच्छा जीवन व्यतीत करें। . जिस प्रकार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को रामनवमी का बहुत महत्व होता है उसी प्रकार वैशाख शुक्ल नवमी को जानकी नवमी का भी बड़ा महत्व होता है और इसे बड़ी श्रद्धा से रखा जाता है।

बहुत समय पहले की बात है एक गाँव में वेदवत नाम का एक ब्राह्मण अपनी पत्नी सुहाना के साथ रहता था। उसकी पत्नी व्यभिचारी स्वभाव की थी। एक दिन ब्राह्मण अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए गाँव से बाहर गया था। लेकिन उसी समय ब्राह्मण की पत्नी बुरी संगत में पड़ गई और व्यभिचार में लिप्त हो गई। उसके व्यभिचारी कर्मों के कारण, उसके गाँव पर आपदा आई और उसमें आग लग गई। अपने पिछले जन्म में किए गए पापों के कारण, वह एक चांडाल के घर फिर से पैदा हुआ था। यहाँ वह नेत्रहीन भी थी और साथ ही कुष्ठ रोग से बहुत बुरी तरह पीड़ित थी। अपने पिछले जन्मों के बुरे कर्मों के कारण उसकी बहुत बुरी हालत थी। और एक दिन वह बहुत भूखी-प्यासी होने के कारण अपने पुराने वेदवट गाँव पहुंच गई। उस दिन वैशाख मास की शुक्ल नवमी थी। वह बहुत बुरी हालत में थी और साथ ही लोगों से मिन्नत कर रही थी कि मुझे कुछ खाने को दो।

ऐसा कहकर वह दुष्ट स्त्री श्री स्वर्ण भवन के सहस्र पुष्प-सज्जित स्तम्भों के समीप जा पहुँची और बहुत विनती करने लगी कि कोई मुझे कुछ खाने को दो। तब एक संत ने उसकी दयनीय दशा देखकर कहा- देवी आज तो सीता नवमी का बहुत शुभ अवसर है और इस दिन जो व्यक्ति अन्न का दान करता है वह पाप का भागी बनता है। इसलिए तुम कल प्रातः व्रत के समय पधारो और स्वयं ठाकुर जी का प्रसाद ग्रहण करो। लेकिन वह महिला भूख से बहुत व्याकुल थी तभी किसी ने उसे तुलसी के पत्ते और पानी पिलाया। जिसे खाने के बाद उसकी मौत हो गई। लेकिन दिन भर भूखे रहने के कारण

उन्होंने सीता माता का व्रत करना शुरू कर दिया और इसी कारण उनके सारे पाप पूरी तरह से नष्ट हो गए।

अगले जन्म में वह एक अच्छे घर में पैदा हुई और कामरूप के महाराजा की पत्नी कामकला के रूप में बहुत प्रसिद्ध हुई। अपने बहुत अच्छे कर्मों और स्वभाव के कारण उन्होंने कई प्रकार के मंदिरों का निर्माण भी करवाया और फिर वे जीवन भर धर्म के कार्यों में लगी रहीं। इसी प्रकार यदि कोई भी व्यक्ति पूरे विधि-विधान से माता सीता की पूजा करता है तो उसे विशेष सुख-सुविधा की प्राप्ति होती है।

pdfinbox.com

pdfinbox.com